NEP - Sanskrit
Sem - II MN - 2A

C- 4 **Total - 100 Marks**

ज्योतिष शास्त्र और वास्तु शास्त्र

ईकाई– 1– ज्योतिष शास्त्र

- पंचांग (पंचांग परिचय)– तिथि वार, नक्षत्र योग, करण तिथियों के भेद
- मुहुर्त्तविचार – विवाह मुहूर्त्त, गृह प्रवेश, व्यापार मुहूर्त्त, दिशाशूल, चन्द्रवास विचार, ग्रह एवं राशि, ग्रह गुण, ग्रह प्रभाव।

ईकाई– 2 – वास्तुशास्त्र

- वास्तुशास्त्र परिचय– भूमि परीक्षण, वास्तु पुरूष विचार शुभाशुभ द्वार स्थान, देवालय, शौचालय, पाकशाला आदि का स्थान

अनुशंसित पुस्तकें–

1. ज्योतिशास्त्र प्रशिक्षक– डॉ0 गिरिजा शंकर शास्त्री– उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
2. शीघ्रबोध– रामचन्द्र शर्मा, कृष्णदास एकादमी।
3. भारतीय ज्योतिष– नेमीचन्द्र शास्त्री– भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन दिल्ली।
4. प्राच्यभारतीयम ऋतुविज्ञानम्– डॉ0 धुनीराम त्रिपाठी–संपूर्णानन्द संस्कृत विश्व विद्यालय, वाराणसी।
5. भारतीय ज्योतिष का इतिहास– डॉ0 गोरख प्रसाद – उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
6. मुहूर्त्तचिन्तामणि– चण्डिका प्रसाद अवस्थी, तेजकुमार बुक डिपो (प्रा0) लिमिटेड।
7. विश्वकर्मा प्रकाश– गणेशदत्त पाठक

23/05/24.

NEP- Sanskrit

Sem- IV MN 2B

C- 4 **Total - 100 Marks**

कर्मकाण्ड

इकाई

- नित्यकर्म–
- संध्या प्रकरण–
- पंचमहायज्ञ–
- यज्ञ विज्ञान–
- विशिष्ट पूजा प्रकरण–
- भूमि पूजन प्रकरण–
- भूमि पूजन प्रकरण–
- गृह प्रवेश–वास्तुशान्ति प्रकरण–
- प्राण प्रतिष्ठा प्रकरण–
- संस्कार प्रकरण–
- पर्व प्रकरण– नवरात्रि, रामनवमी, गुरूपूर्णिमा, वसन्त पंचमी, महाशिवरात्रि

अनुशंसित पुस्तकें–

- नित्य कर्म पूजाप्रकाश– पं0 लाल बिहारी मिश्र– गीताप्रेस, गोरखपुर
- कर्मकाण्ड भास्कर– पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य
- यज्ञ विज्ञान– पं0 श्रीराम शर्मा (कासगज एटा–अमर स्वामी प्रकाशन विभाग गाजियाबाद)

NEP - Sanskrit
Sem - VI MN - 2C

C- 4 **Total - 100 Marks**

योग

- योग का सामान्य अर्थ, परिभाषा योग के प्रकार योग की उपयोगिता–
- योग के विभिन्न आसन्नों का परिचय, महत्व एवं सावधानियाँ।
- प्राणायाम की परिभाषा, अष्टांग योग के अन्तर्गत यम नियम का स्वरूप, आसन एवं प्राणायाम की अवधारणा।

अनुशंसित पुस्तकें–

- पांतजलयोगदर्शनम् – सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
- योग एवं स्वास्थ्य– पी0डी0 मिश्र, रैपिडैक्स बुक्स पुस्तक महल
- अष्टांगहृद्यम्– ब्रह्मनन्द त्रिवेदी।

NEP - Sanskrit
Sem - VIII MN - 2 D

C- 4 **Total - 100 Marks**

आयुर्वेद–

- आयुर्वेद का परिचय, स्वरूप, वेदत्व प्रयोजन, वैज्ञानिकत्व, वैशिष्ठय
- भारतीय भेषज विद्या की प्राचीनता
- आत्रेय और धन्वन्तरि की परम्परा
- आयुर्वेद के आठ अंग
- आयुर्वेद में त्रिदोष
- आर्यवेद में सप्तधातुएँ
- वृक्षायुर्वेद
- कतिपय, वनस्पतियों का चिकित्सीय महत्व– आमलिक, अपामार्ग, विल्ब ब्राह्मी, हरिद्रा, निम्ब गुडुचि, पुनर्नवा, तिल, तुलसी
- दिनचर्या, ऋतुचर्या एवं सदवृत्त का मानव– स्वारथ्य संरक्षण में महत्व।

अनुशंसित पुस्तकें

- संस्कृत वाङगय का वृहद् इतिहास– (संप्तम–खण्ड –आयुर्वेद का इतिहास) उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ
- आयुर्वेद का इतिहास एवं परिचय – डॉ0 विधाधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी
- आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास – आचार्य प्रियव्रत शर्मा चौखम्बा वाराणसी

Sem III **MDC** **समसत्र III**

Mark- 75 **C-03**

संस्कृत भाषा एवं व्याकरण

इकाई– 1 – भाषा का स्वरूप, उदगम और विकास

भाषा की परिभाषा, भाषा की उत्पत्ति के सिद्धांत

भाषा की विशेषता, संस्कृत भाषा का महत्व

भाषा परिवर्तन के कारण।

इकाई– 2– व्याकरण

संस्कृत ध्वनियाँ, वैदिक ध्वनियाँ

स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण

परिभाषिक शब्द–लघु सिद्धांत कौमुदी अनुसार

संहिता, गुण, वृद्धि, प्रतिपादिक, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृध्य, निष्ठा

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

1. उपर्युक्त संपूर्ण पाठ्यांश पर आधारित दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे।
2. इकाई 1 से दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के उत्तर देय होंगे। कुल 4 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे।
3. इकाई 2 से दो लघूउत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा। कुल 4 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे।

अनुशंसित पुस्तके

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
2. भाषा विज्ञान – डॉ0 भोला नाथ
3. लघु सिद्धांत कॉमुदी – डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा